वसुंधरा विशेष विद्यालय

सीहोर (मप्र)

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

वर्ष - (01 अप्रेल 2020 से 31 मार्च 2021)

विशेष विद्यालय एक विशेष स्कूल एक ऐसा स्कूल है जो विशेष रूप से उन बच्चों को पूरा करता है जिनकी ज़रूरतें मुख्यधारा के स्कूल द्वारा प्रदान किए गए -

विद्यालय पृष्ठभूमि

यह स्कूल सन् 2020 में 01 जुलाई को स्थापित किया गया और इसे वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह विद्यालय शहरी क्षेत्र में स्थित है। विद्यालय में मानसिक दिव्यांग बच्चो के लिए न्यूनतम कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों को वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। यह स्कूल लड़कों तथा लड़कियों दोनो के लिये (सह-शिक्षा) है यह विद्यालय गैर आवासीय है और यह विद्यालय 19 बच्चो से प्रारंभ किया गया |

विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की संख्या

क्रमांक	विद्यार्थियों की संख्या		शिक्षको की संख्या		योग
	बालक	बालिका	शिक्षक	शिक्षिका	
01.	11	08	01	01	21

वसुंधरा विशेष विद्यालय सीहोर द्वारा कोरोना महामारी के दौरान स्कूल नही लगने के कारण संस्था द्वारा यादव मोहल्ला कस्बा, सीहोर में 01 जुलाई 2020 को **दिव्यांग बच्चों हेतू निःशुल्क विशेष विद्यालय का आयोजन किया गया** संस्था ने **दिव्यांग बच्चों** को पढ़ाने का निर्णय लिया ऐसे बच्चों के लिए संस्था द्वारा मास्क वितरण व सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुये स्पेशल एजुकेटर श्रीमति ज्योति विश्वकर्मा, सुश्री सलोनी वशिष्ठ, श्रीमती सरिता यादव, राज यादव, अंजली यादव व तनु सोनी द्वारा सेवा भाव के तहत निशुल्क रूप से इन बच्चों को अलग-अलग विषय के प्रशिक्षण शिक्षण दिया गया | इससे विधार्थियों को लाभ मिल सके। विधार्थियों को प्रतिदिन शिक्षा के साथ साथ सप्ताह के आखिरी दिन हर शनिवार अलग अलग गतिविधिया जैसे ड्राइंग, गीत, खेल, पहेलिया कारवाई जाती थी जिससे जिस विधार्थी मे जो हुनर हों वो उभर कर सामने आए। सप्ताह में एक दिन निश्चित टेस्ट हुए जाते जो लिखित व मोखिक दोनों होते है। जो भी टेस्ट मे प्रथम, द्वतीय, तृतीय आता उसे एक पेन दिया जाता जिससे उनमे पड़ने की चाह बड़े और सभी विधार्थी मन लगाकर पड़ सके ।

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2020

वसुंधरा विशेष विद्यालय द्वारा *स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2020 को झंडा वंदन कर बच्चो को मिठाई वितरण की गई व्* सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वच्छता को लेकर बच्चों ने मनमोहक नृत्य व नाटक प्रस्तुत किए। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए विश्व की खुशहाली को पेश किया। कार्यक्रम की तैयारी मे **शिक्षक सलोनी वशिष्ठ, शिक्षक मंजू यादव** की देख-रेख में हुई। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री अर्जुन सिंह उपस्थित रहे व उनके द्वारा छात्र-छात्राओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम मे प्रथम ,द्वितीय व तृतीय पुरस्कार वितरित किए गए ।

विश्व हाथ धुलाई दिवस -

वसुंधरा विशेष विद्यालय द्वारा कोरोना महामारी के दौरान विश्व हाथ धुलाई दिवस के उपलक्ष्य मे संस्था द्वारा 15 अक्तूबर 2020 को विद्यालय में दिव्यांग बच्चों व उनकी माताओ को साबुन से हाथ धुलाकर हाथ धुलाई का महत्व बताया गया । समय-समय पर साबुन व पानी से 30 से 40 सेकेंड तक हाथ धोने के छह चरण बताए गए हैं। जिसमें खाना बनाने के पहले, खाने के पहले, दिव्यांग बच्चों को खिलाने के पहले, शौच के बाद, साबुन पानी से हाथ धोना चाहिए। इससे अन्य बीमारियों से भी बचा जा सकता है। स्पेशल एजुकेटर श्रीमति ज्योति विश्वकर्मा ने बताया की हमारे हाथों में अनदेखी गंदगी छिपी होती है। यह गंदगी बगैर हाथ धोए खाद्य व पेय पदार्थ के सेवन से शरीर में जाती है, और बीमारी को जन्म देती है। हाथों की धुलाई के प्रति जागरूकता पैदा करने के मकसद से पूरे विश्व में 15 अक्टूबर को विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी हाथ धुलाई पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसमें हाथ धोने के प्रति जागरूकता के लिए कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दरसल यह स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का हिस्सा है, क्योकि हाथ की धुलाई से अनेक बीमारी से बचा जा सकता है। हर व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति इन छोटी छोटी बातों के प्रति सजग होना चाहिए, ताकि हम एक स्वस्थ समाज का निमार्ण कर सकें। विश्व हाथ धुलाई दिवस पर जिला स्तर से ग्राम स्तर तक हाथ धुलाई दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी को संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों व उनकी माताओ को साबुन वितरित किया गया |

गणतंत्रता दिवस 26 जनवरी 2021

वसुंधरा विशेष विद्यालय द्वारा *26 जनवरी गणतंत्रता दिवस 2021 को* आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वच्छता को लेकर बच्चों ने मनमोहक नृत्य व नाटक प्रस्तुत किए। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए विश्व की खुशहाली को पेश किया। बच्चों ने भारतीय संस्कृति के महास्तंभ वेद पुराणों की संस्कृत भाषा के शास्त्रीय संगीत से सजे गीतों पर देवों की स्तुति की। कार्यक्रम में अपनी बनाई हुई दुनिया की सुंदरता को देखकर खुशी से मग्न भगवान शिव का तांडव सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने दर्शाया कि मनुष्य के लालच की पराकाष्ठा से प्राकृतिक संसाधनों को क्षति पहुंचने से संसार में हाहाकार मच गया है। वन विलुप्त हो गए, धरती वर्षा की बौछारों को तरस गई। पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देती हुई यह प्रस्तुति संस्था के अध्यक्ष श्री अर्जुन सिंह ने अपनी सोच से तैयार कराई। कार्यक्रम की तैयारी मे सरिता ठाकुर, शिक्षक सलोनी वशिष्ठ, शिक्षक मंजू यादव की देख-रेख में हुई। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री अर्जुन सिंह उपस्थित रहे व उनके द्वारा छात्र-छात्राओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम मे प्रथम ,द्वितीय व तृतीय पुरस्कार वितरित किए गए ।

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष विद्यालय की गतिविधियां

वसुंधरा विशेष विद्यालय द्वारा मानसिक और शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए विशेष स्कूल चला रहा है। यहां 15 से अधिक शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग बच्चे रह रहे हैं और बच्चों को शिक्षा, थेरेपी, स्पीच थेरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। विशेष शिक्षक और और कुशल कर्मचारी दिव्यांग बच्चों की स्थिरता के लिए अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे थे। दिव्यांग बच्चो के लिए सुलभ प्रारूप में अध्ययन सामग्री के साथ-साथ शैक्षणिक व्यय का भी ध्यान रखा जाता है। शांतिवर्धन प्रत्येक वर्ष सफल करियर का मार्ग प्रशस्त करते हुए छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में व्यावहारिक सहायता प्रदान करता है।